## पाठ-२ चार मंगल

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर







लोक में चार मंगल हैं

**अरहंत भगवान मंगल हैं** 

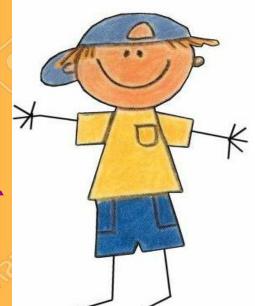
क्षिद्ध भगवान मंगल हैं

क्षसाधु (आचार्य,उपाध्याय और साधु) मंगल हैं

तथा केवली भगवान द्वारा बताया गया वीतराग

धर्म मंगल है

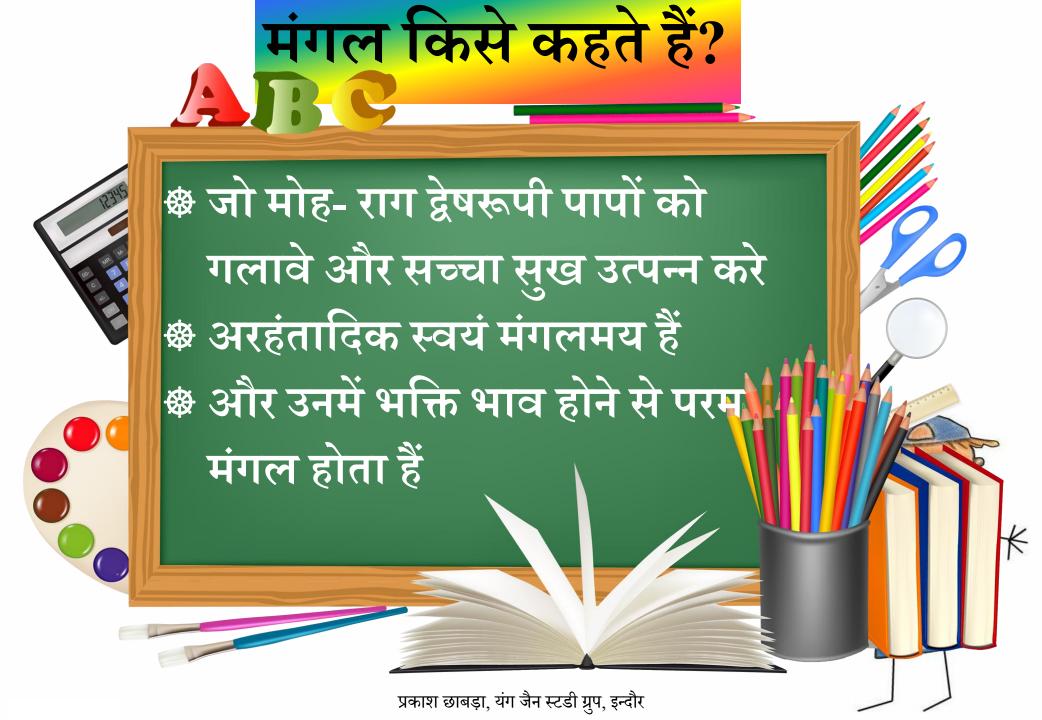
प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर















🕸 लोक में चार उत्तम हैं

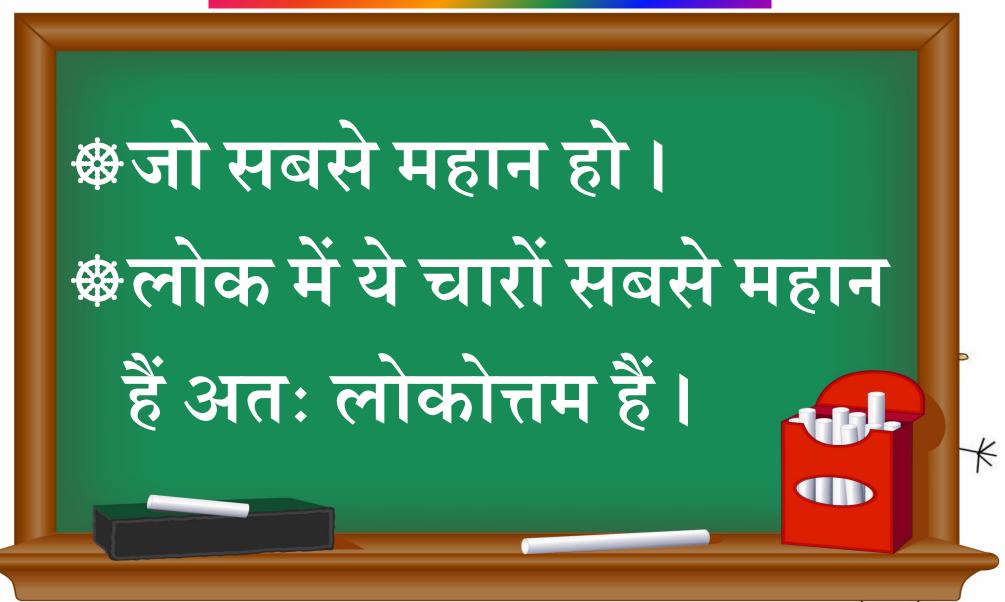
🕸 अरहंत भगवान उत्तम हैं

🕸 सिद्ध भगवान उत्तम हैं

🕸 साधु (आचार्य, उपाध्याय और साधु) उत्तम हैं

केवली भगवान द्वारा बताया हुआ वीतराग धर्म उत्तम हैं

## उत्तम किसे कहते हैं?







**क्षे** साधुओं (आचार्य, उपाध्याय, और साध्र) की शरण में जाता हूँ,और अकेवली भगवान द्वारा बताये गये वीतराग धर्म की शरण में जाता

## शरण किसे कहते हैं?

शरण सहारे को कहते हैं पंच परमेष्ठी द्वारा बताए हुए मार्ग पर चलकर अपनी आत्मा की शरण लेना ही पंच परमेष्ठी की शरण हैं

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

जो व्यक्ति पंच परमेष्ठी की शरण लेता है उसका कल्याण होता है अर्थात दःख (भव-श्रमण) भिट जाता है।



